स्व. निर्मल कुमार जैन सेठी तीर्थ संरक्षिणी महासभा में योगदान

स्वर्गीय
निर्मल कुमार जैन सेठी

स्वर्गीय
संतरा देवी जैन सेठी

1. अध्यक्ष बने – 3 जनवरी 1981 कोटा (राजस्थान)

2. तीर्थ संरक्षिणी महासभा की स्थापना – 5 फरवरी 1998 श्री महावीर जी (राज.)

3. प्रकाशन – प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार पत्रिका का वर्ष 1998 से हर माह नियमित रूप से 4000 प्रतियों का प्रकाशन

4. जीर्णोद्धार कार्य में सहयोग – करीब 88 लाख रुपये जीर्णोद्धार / विज्ञापन

5. घोषणा – स्व. माताजी, स्व.भाई एवं स्व. धर्मपत्नी की स्मृति में 25–25 लाख रुपये

6. गुल्लक योजना – 20 हजार गुल्लकों का वितरण 50 हजार गुल्लकों के वितरण का लक्ष्य

7. मंदिर जीर्णोद्धार – 650 मंदिरों का जीर्णोद्धार जीर्णोद्धार वर्ष 2021 में 125 मंदिरों के जीर्णोद्धार का लक्ष्य

8. म्यूजियम में जैन गैलरी का निर्माण – लखनऊ, गोरखपुर, मथुरा, झांसी में अपने परिवारीजनों की स्मृति में एवं सीरोन मड़ावरा, मोहन्द्रा, पानीगांव में म्यूजियम की स्थापना

9. क्षेत्रों के विकास हेतु जमीन – पंचेतपहाड़ (बंगाल), सूर्य पहाड़ (आसाम) के विकास के लिये 52 बीधा जमीन दिलवाने में सहयोग

10. डिजिटल प्रर्दशनी का निर्माण – स्वयं की राशि से प्रर्दशनी का निर्माण करवाया करीब 20 स्थानों पर किया गया प्रदर्शन

11. जैन चेयर की स्थापना – उत्कल संस्कृति विश्वविद्यालय उड़ीसा में

12. विदेशों में प्राचीन मंदिरों की खोज – इथोपिया में 3 सिद्धशिलाओं एवं श्रीलंका में 3000 वर्ष प्राचीन जैन मंदिरों की खोज

13. विद्वानों के साथ विदेश यात्रा – कंबोडिया, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, वियतनाम ग्रीक, पेरू, ग्वाटेमाला आदि।

14. भगवान महावीर के 2600वें – पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी जी जन्म जयन्ती समारोह पर अनुदान द्वारा जैन समाज के लिये 100 करोड़ की राशि घोषित की गयी थी जिसमें से 90 करोड़ की राशि CPWD द्वारा दिगम्बर जैन मंदिरों के विकास में लगाया गया।

15. पुस्तकों का प्रकाशन – सेठी ट्रस्ट की ओर से प्राचीन मंदिरों एवं पुरातत्त्व सम्बन्धी 10 पुस्तकों का प्रकाशन

16. 1 जनवरी 2021 को संस्था की – निर्ग्रंथ आर्कियोलॉजिकल सेंटर नामक संस्था स्थापना की स्थापना जिसके अंतर्गत 36 में से 17 स्थानों में अपने संयोजक नियुक्त किए गए हैं एवं 5 लोगों की परामर्शदात्री समिति भी बनाई गयी है।

17. सेमिनार – भारतवर्ष एवं विश्व में 50 से अधिक सेमिनार

18. वेबिनार – मई 2020 से 18 अप्रैल 2021 तक माह के प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को रात्रि में विश्व के जैन एवं अजैन जिनमें मुख्यतः पाकिस्तान, बांग्लादेश, अमेरिका, ग्रीक के पुरातत्त्वविदों एवं इतिहासकारों के साथ वेबिनार।

19. स्वर्गवास – 27 अप्रैल 2021 की रात को सभी रिश्तेदारों एवं साथियों के साथ एक वेबिनार करने के पश्चात् उनका स्वर्गवास हो गया।

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन (तीर्थ संरक्षिणी) महासभा
शिरोमणी संरक्षक/परम संरक्षक

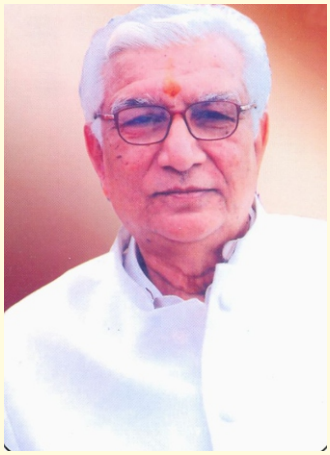

स्व. श्री निर्मल कुमार जैन सेठी
दिल्ली

स्व. श्री मदनलाल जैन बज
कलक्ता

स्व.श्री रतनलाल जैन पाटनी
मदनगंज किशनगढ अजमेर

स्व. श्री दिनेश कुमार जैन सेठी
दिल्ली

श्रीमती सरिता महेन्द्र कुमार जैन
चेन्नई

श्री हुलासचंद जैन सेठी
तिनसुकिया

श्री महावीर प्रसाद जैन सेठी
सिलचर

श्री पुखराज पाण्ड्या
गोरखपुर

बैनाड़ा परिवार
आगरा

श्री धर्मेन्द्र जैन सेठी
दिल्ली

श्री राजकुमार जैन सेठी
कोलकाता

श्री रमेश चूरनलाल जैन
सिरपुर धुले

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा

केन्द्रीय पदाधिकारी

श्री गजराज गंगवाल, दिल्ली
राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री एम.के. जैन, चेन्नई
वरिष्ठ कार्याध्यक्ष

श्री धर्मचंद पहाड़िया, जयपुर
कार्याध्यक्ष

श्री अशोक कुमार सेठी, बंगलुरु
कार्याध्यक्ष

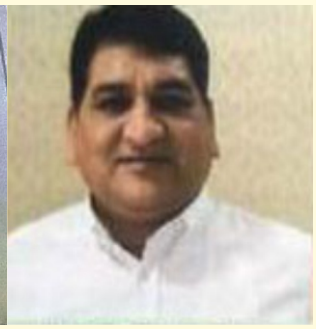
श्री संजय दीवान, सूरत
कार्याध्यक्ष

श्री ज्ञानचंद पाटनी, दुर्ग
उपाध्यक्ष

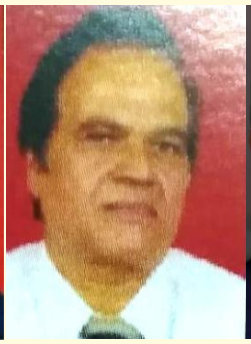
श्री राजेन्द्रभाऊ पाटनी, नासिक
उपाध्यक्ष

श्री अशोक चूड़ीवाल, बरपेटा
उपाध्यक्ष

डॉ. रमा जैन, दिल्ली
उपाध्यक्ष

श्री विकास जैन एडवोकेट, दिल्ली
उपाध्यक्ष

श्री विनोद बाकलीवाल मैसूर
उपाध्यक्ष

श्री संजीव जैन, लखनऊ
उपाध्यक्ष

श्री सुरेशकुमार जैन, सोनीपत
उपाध्यक्ष

श्री राजकुमार सेठी, कोलकाता
महामंत्री

श्री कमलकुमार जैन, लखनऊ
संयुक्त महामंत्री

श्री पवन सोनी, भीलवाड़ा
मंत्री

श्री सुशील बाकलीवाल, अजमेर
कोषाध्यक्ष

श्री सुभाषचंद जैन, लखनऊ
कार्यकारिणी सदस्य

श्री गंभीरचंद जैन, लखनऊ
कार्यकारिणी सदस्य

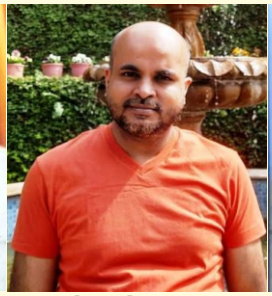
श्री गौरव जैन, लखनऊ
कार्यकारिणी सदस्य

श्री धीरज जैन, लखनऊ
कार्यकारिणी सदस्य

श्री पवन पाण्ड्या, सिल्वर
कार्यकारिणी सदस्य

श्री महेन्द्र पहाड़िया, नागौर
कार्यकारिणी सदस्य

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा

हमारे बारे में

किसी भी संस्था के जन्म के मूल में क्रांति का बीज अवश्य रहता है। बिना इस बुनियाद के संस्था का जन्म होना सम्भव नही होता है आज से लगभग 117 वर्ष पूर्व भारत का दिगम्बर जैन समाज अत्यन्त बिखरा हुआ था, हालाकि विज्ञान क साधनो ने समय और क्षेत्र की दूरी को कम करना प्रारम्भ कर दिया था अतः समाज में साधन सम्पन्न होते हुए भी यह बात खटकती थी कि हमारा अखिल स्तर का संगठन कैसे संगठित हो । समय की मांग के अनुसार दिगम्बर जैन समुदाय में भी इस भावना का समावेश हुआ और यह भावना कार्य रूप में परिणित होने के आसार नजर आने लगें और समाज के सहयोग को पाकर महासभा ने एक विशाल वट वृक्ष का रूप लिया इन्ही धर्म के मूल सिद्धांतो रीति रिवाजो संस्कृतियों की रक्षा के लिए श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन (धर्म संरक्षिणी) महासभा का जन्म हुआ श्री जम्बू स्वामी भगवान की निवार्ण भूमि चौरासी मथुरा में कार्तिक का मेंला पड़ता है इसी अवसर को मूर्तरूप देंने के लिए उपयुक्त समझा गया और विक्रम सम्वत् 1949 सन् 1894 में महासभा की नीव डाली गयी इसके प्रथम सभापति मथुरा के सेठ लक्षमण दास जी उपसभापति सहारनपुर के लाला अग्रसेनजी रईस और मंत्री छेदालाल जी चुने गये । श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के 1981 में कोटा में आयेजित अधिवेशन में श्री निर्मल कुमार जैन सेठी एवं श्री त्रिलोकचंद जी कोठारी अध्यक्ष एवं महामंत्री निर्वाचित हुए। धर्म संरक्षिणी महासभा को पुनः सक्रिय करने के संकल्प के साथ यह भावना कालान्तर में बलवती हुई कि महासभा के 100 वर्ष से अधिक प्राचीन मंदिरों के कार्यो के संवर्धन एवं व्यापक कार्य क्षेत्र को देखते हुए एक स्वतंत्र किन्तु धर्म संरक्षिणी महासभा के अर्न्तगत श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन (तीर्थ संरक्षिणी) महासभा का स्वतंत्र गठन किया जाए और उसकी स्थापना सन् 1998 में साकार हुई। तीर्थ संरक्षिणी महासभा प्राचीन जैन स्मारकों/मंदिरों के प्राचीन मूलस्वरूप को अक्षुण्ण रखते हुये जीर्णोद्धार/संरक्षण/संवर्द्धन करने में निरन्तर लगी हुयी है। इस योजना की समाज ने भरपूर सराहना करते हुये हर दृष्टि से सहयोग दिया है और निरन्तर दे रही है। सभी आचार्यों, मुनियों, आर्यिकाओं व अन्य त्यागीवृंदों एवं समाज के श्रेष्ठीगणों व संस्थाओं ने इस कार्य के लिए आशीर्वाद एवं प्रेरणा दी है।

प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण में पुरातत्वविदों एवं पुरातत्व इंजीनियरों का सक्रिय सहयोग लिया जा रहा है। समस्त राज्यों में इस योजना को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिये संयोजक मनोनीत किये गये हैं।

तीर्थ संरक्षिणी महासभा के उद्देश्य

* प्राचीन जैन धरोहरो–तीर्थ क्षेत्रों स्थापत्यों के अवशेषो, मूर्तियों एवं कला निधियों का समस्त भारतवर्ष में सर्वेक्षण, संरक्षण, जीर्णोद्धार एवं संवर्धन।
* उक्त उद्देश्यो की पूर्ति हेतु भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण एंव राज्यों के पुरातत्व विभागो द्वारा जैन पुरातन स्थापत्य का सर्वेक्षण, उत्खनन, जीर्णोद्वार, संर्वधन की प्रेरणा एवं सहयोग देना।
* असुरक्षित बिखरे पड़े जैन पुरातत्व वैभव के संरक्षण एंव संर्वधन के लिए 'साईट म्यूजियमों' की स्थापना।
* जैन पुरातत्व के जीर्णोद्धार के लिए समाज में जन चेतना पैदा करना और तन–मन–धन से सहयोग लेना।
* प्राचीन जैन धरोहर पर शोध एंव जन चेतना हेतु तीर्थ संरक्षिणी महासभा की बेबसाइट का निर्माण एवं शोध पुस्तको पत्रिकाओं का प्रकाशन।
* इस संस्था द्वारा समाज के सम्मुख एक योजना प्रस्तुत की जिसकी मुख्य बात है कि दान से प्राप्त राशि संचित नहीं की जायेगी बल्कि तुरन्त ही प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार में खर्च की जायेगी तथा दान दातार के नाम का पाटिया मंदिर में लगाया जायेगा।

तीर्थ संरक्षिणी महासभा की गतिविधियाँ

।रायगढ़ (गुजरात) के 1 हजार वर्ष प्राचीन बावन जिनालय जिसमें 108 पिलर मौजूद हैं। यह मंदिर तारंगा तीर्थक्षेत्र कमेटी के अंतर्गत है। तारंगा तीर्थक्षेत्र कमेटी ने जीर्णोद्धार करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है इस मंदिर की 52 मूर्तियां उनके पास सुरक्षित मौजूद हैं। इस मंदिर के जीर्णोद्धार में करीब 2 करोड़ की धनराशि खर्च होने की संभावना व्यक्त की गयी है। गुजरात प्रान्त के अध्यक्ष श्री यशवंत शाह ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार 6 माह के अंदर कराये जाने की घोषणा की है। शीघ्र ही इस मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य सम्पन्न होगा।

बावन जिनालय, रायगढ़ (गुजरात)

प्रातिज ग्राम (गुजरात) मे खुदाई से प्राप्त मूर्तिंया

(गुजरात) के छाला ग्राम में भूगर्भ से प्राप्त दिगम्बर जैन मंदिर के अवशेष एवं प्रतिमाएँ

तीर्थ संरक्षिणी महासभा की गतिविधियां

आंध्रप्रदेश में जीर्णोद्धार कार्य को आगे बढ़ाने हेतु 19 दिसम्बर 2020 को एन.आर.पुरा के पूज्यनीय भट्टारक स्वस्ति श्री लक्ष्मीसेन स्वामी जी के साथ तीर्थ संरक्षिणी महासभा के कार्याध्यक्ष श्री अशोक कुमार जैन सेठी ने कर्नाटक के पदाधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। श्री सुरेश जैन ने एडोनी एवं श्री गिरधारी लाल काला, बेल्लारी ने कम्मारचेडु, चिनाहुथुर, पेदाहुथुर के जीर्णोद्धार कार्य की जिम्मेदारी ली

CHINNAHOTHUR (A.P.)

NYAKALLU NEAR KURNOOL (A.P.)

KAMMARACHEDU (A.P.)

पश्चिम बंगाल का प्राचीन जैन पुरावैभव

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा करीब 23 वर्षों से लगातार सम्पूर्ण भारतवर्ष में प्राचीन जीर्णशीर्ण 100 वर्ष से प्राचीन जैन मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य में संलग्न है। इस दौरान करीब 650 मंदिरों को अनुदान स्वरूप धनराशि भेजकर जीर्णोद्धार का कार्य पूरा हो चुका है कई मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य चल रहा है।

प. बंगाल प्रान्त के पुरूलिया जिले में गांव गांव में प्राचीन जैन संस्कृति के अवशेष बिखरे पड़े है पुरूलिया कोलकाता से 270 किमी0 दूर है जो जिले का मुख्य केन्द्र है पुरूलिया से करीब 70 किमी0 के विस्तार में जैन संस्कृति के अवशेंष दबे पडे है जहा भी खुदाई की गयी वहां से ही सुन्दर मनोरम प्रतिमांए प्राप्त हुयी। श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा द्वारा पुरूलिया में पाकबीरा, छर्रा, आरसा, टुम्बा, बारहमसिया, सुइसा, भाखड़ा, शीतलपुर, लाखड़ा, भास्करडंगा, पालमा , हरयालीडीह, पुन्चा, बुधपुर, चायसामा, बडगर बांदा, धारापट, मानबाजार, ऐसे ही करीब 36 स्थानों पर मंदिर बनाकर मूर्तियों को विराजमान किया जा चुका हैं कई स्थानो पर कार्य चल रहा है।

पुरुलिया (पश्चिम बंगाल) के प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, बारहमसिया

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, पोलमा

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, भांगरा

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, हरिखलीडीह

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, पुन्चा, लोलाड़ा

१००८ भगवान श्री शान्तिनाथ
श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, देवली

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले की जैन मूर्तियाँ एवं जीर्णोद्धार किये गए जैन मंदिर

१००८ भगवान श्री पद्मप्रभु
श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, पाकबीरा

बारहमसिया मन्दिर की प्रतिमाएँ

पोलमा मन्दिर की प्रतिमाएँ

भांगरा मन्दिर की प्रतिमाएँ

हरिखलीडीह मन्दिर की प्रतिमाएँ

पुन्चा, लोलाड़ा मन्दिर की प्रतिमाएँ

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा प्रकाशन

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा

सुरक्षा निधि गुल्लक योजना

'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन (तीर्थ संरक्षिणी) महासभा ने प्राचीन तीर्थ जीणोद्धार के कार्य में सहयोग प्राप्ति हेतु मंदिरों /संस्थाओं/ निजीगृहो में समाज के सभी पुरूष/ महिलाओं/ बालक/ बालिकाओं के ह्रदय में अपने प्राचीन एंव ऐतिहासिक मंदिरों की सुरक्षा हेतु जीर्णोद्धार की भावना को प्रबल बनाने के उद्देश्य से गुल्लक योजना के द्वारा सम्पूर्ण भारत में घर–घर से दानराशि एकत्रित करके इस पुनीत कार्य को पूरा करने का बीड़ा उठाया गया। इस पुनीत कार्य में महिलाओं और युवाओं का भरपूर सहयोग योगदान हमें प्राप्त हो रहा है। घर–घर निःशुल्क गुल्लक रखवाकर महिलाओं/बच्चों ने हमें श्रेष्ठ योगदान दिया है। सभी महिलायें बधाई की पात्र हैं। विशेषकर जयपुर (राजस्थान) से हमें विशेष सहयोग श्री धर्मचंद जैन पहाड़िया जो तीर्थ संरक्षिणी महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं गुल्लक योजना प्रमुख हैं का मिला है और नियमित रूप से मिल रहा है। संस्था द्वारा अभी तक 20 हजार गुल्लकें पूरे देश में वितरित की जा चुकी हैं 50 हजार गुल्लकें इस वर्ष वितरित कराने का लक्ष्य है। समाज एकजुट होकर तन–मन–धन से सहयोग प्रदान करने का संकल्प लेकर प्राचीन एतिहासिक धरोहर को सुरक्षित एंव संरक्षित करने में अपना योगदान दे तथा मुक्त–हस्त से दान करें यह भावना जागृत करना तीर्थ संरक्षिणी महासभा का लक्ष्य है।

Let's make a little contribution from our hard earned money

To preserve our PILGRIMAGE SITES

विनम्र अपील

आदरणीय महोदय, सादर जय जिनेन्द्र।

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं मूर्तियों की सुरक्षा के कार्य में संलग्न है और इस दौरान करीब ६३० मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य सम्पन्न हो चुका है। जहाँ भी १०० वर्ष से अधिक जीर्णशीर्ण मंदिर हैं वहाँ पर प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य हो रहा है।

इन कार्यों में एक विशेष कार्य है जो कि छोटी-छोटी राशि देने पर भी परिवारों को तीर्थ संरक्षिणी महासभा से जोड़ता है छोटी-छोटी राशि संकलित करके एक बहुत बड़ी राशि राशि एकत्रित हो जाती है इस राशि में सम्पूर्ण इस राशि से सम्पूर्ण समाज की भावना जुड़ी होती है यह है **तीर्थ रक्षा गुल्लक योजना** इसमें परिवारों के छोटे-छोटे बच्चों को भी जोड़ा जाता है। इससे बच्चों को जैन संस्कृति का ज्ञान मिलता है और इस कार्य द्वारा हम यह भी समझा सकते हैं कि जैन धर्म बहुत प्राचीन धर्म है प्राचीन मंदिरों की रक्षा करना हमारा धर्म है।

इस कार्य के लिये आपसे निवेदन है कि समस्त भारत में इस योजना का विस्तार करना है जिसके लिये ५०-२५० परिवारों का ग्रुप बनाया जाये, उस ग्रुप का एक संयोजक ग्रुप हेड बनाया जाये। वह राशि संकलित उन परिवारों के विवरण के साथ राशि लखनऊ कार्यालय को भेज देवे। प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार पत्रिका में उन सभी का नाम प्रकाशित किया जायेगा साथ में ग्रुप हेड का फोटो परिचय भी प्रकाशित होगा।

इस कार्य के अन्तर्गत इस वर्ष ५० हजार परिवारों को गुल्लक योजना के अंतर्गत जोड़ने का लक्ष्य है। गुल्लकें लखनऊ कार्यालय से निःशुल्क भेजी जायेंगी। आप भी अपने सौजन्य से गुल्लकें बनवाने में सहयोग कर सकते हैं। सौजन्यकर्ता में आपका नाम गुल्लक में लिखा जायेगा। इस धार्मिक कार्य में सहयोग प्रदान करें। अतः आपसे अनुरोध है कि आप अपने प्रांत से एक संयोजक मनोनीत करके गुल्लकें रखवाने में सहयोग करने की कृपा करें जिससे जीर्णोद्धार कार्य में अधिक से अधिक राशि प्राप्त हो सके।

गजराज जैन गंगवाल	धर्मचंद जैन पहाड़िया	राजकुमार जैन सेठी	कमल कुमार जैन रावंका
राष्ट्रीय अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष/गुल्लक योजना प्रमुख	महामंत्री	संयुक्त महामंत्री
9810900009	9829054646	9339826125	9335920972

प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार पत्रिका

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के भूतपूर्व महानिदेशक स्व. श्री अजय शंकर जी की प्रेरणा से प्राचीन जैन संस्कृति एवं जैन पुराधरोहर की जानकारी हेतु तीर्थ संरक्षिणी महासभा की प्रमुख मासिक पत्रिका ''प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार'' नियमित रूप से प्रकाशित हो रही है। इस पत्रिका में पुरातत्वीय महत्वता के लेख, प्राचीन मंदिरों एवं मूर्तियों की जानकारी, दातारों द्वारा जो राशि भेजी जाती ` उनके नाम के विवरण के साथ प्रकाशन होता है जो एक शोध पत्रिका के रूप में उभर कर सामने आयी है। पत्रिका की 4000 प्रतियां हर माह प्रकाशित होती है। सदस्यता शुल्क निम्न प्रकार से है।

पत्रिका का परम संरक्षक १,००,०००/- वशिष्ठ संरक्षक ५१,०००/- आजीवन सदस्य २५००/- त्रिवार्षिक सदस्य ३००/-वार्षिक सदस्य ३००/-रूपये एक प्रति का मूल्य ३०/- रूपये

पत्रिका में विज्ञापन हेतु अपील

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन (तीर्थ संरक्षिणी) महासभा द्वारा प्रकाशित "प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार" मासिक पत्रिका हेतु सभी साधर्मी बंधुओं से अनुरोध है कि वे अपने समस्त पारिवारिक शुभ अवसरों यथा-नूतन गृह-प्रवेश, संतान प्राप्ति, जन्मदिन, शुभ-विवाह, वैवाहिक वर्षगांठ, दुकान या प्रतिष्ठान के उद्घाटन आदि किसी भी विशेष अवसर पर शुभकामना संदेश अथवा अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान का विज्ञापन प्रदानकर पत्रिका के प्रकाशन में सहयोगी बनें। प्रकाशन हेतु सामग्री तीर्थ संरक्षिणी महासभा के ईमेल : tsmahasabha@gmail.com **अथवा व्हाटसेप 9129065900 पर भेजकर हमें सूचित करें।**

विज्ञापन दरें निम्नवत हैं :-

कवर पृष्ठ 2 व 3 पूरा पृष्ठ - 20,000 रु. प्रति पृष्ठ
(एक वर्ष हेतु विज्ञापन स्वीकृति देने पर 15,000 प्रति अंक)
कवर पृष्ठ 4 पूरा पृष्ठ - 20,000 रु. प्रति पृष्ठ
(एक वर्ष हेतु विज्ञापन स्वीकृति देने पर 15,000 प्रति अंक)
अंदर के पृष्ठों में पूरा पृष्ठ - 15,000 रु. प्रति पृष्ठ
अंदर के पृष्ठों में आधा पृष्ठ - 8,000 रु. प्रति पृष्ठ
अंदर के पृष्ठों में एक चौथाई पृष्ठ - 4,500 रु. प्रति पृष्ठ

प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार पत्रिका के परम संरक्षक

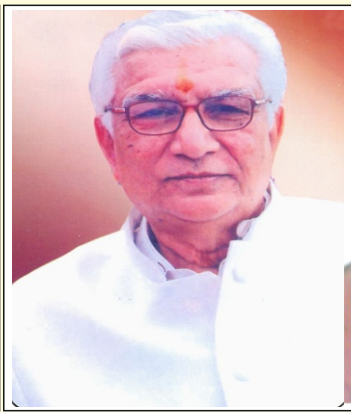

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा

म्यूजियम का निर्माण

तीर्थ संरक्षिणी महासभा द्वारा लखनऊ, मथुरा, झांसी, सीरोन मड़ावरा, गोरखपुर एवं मोहन्द्रा 6 स्थानों पर म्यूजियम का निर्माण करवाकर मूर्तियों को विराजमान किया जा चुका है। पानीगांव (म.प्र.) में म्यूजियम तैयार हो चुका है जिसका उद्घाटन तीर्थ संरक्षिणी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल के कर कमलों से शीघ्र ही किया जायेगा। ईडर से करीब 20 किमी. दूर ग्राम दावदा में पुरातत्व विभाग द्वारा खुदाई के दौरान करीब 42 प्राचीन मूर्तियां खड्गासन एवं पदमासन खण्डित प्राप्त हुयी हैं। ईडर समाज ने पुरातत्व विभाग में मूर्तियों को प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है तथा म्यूजियम बनाने की बात को स्वीकार किया है शीघ्र ही म्यूजियम बनाकर सुरक्षित किया जायेगा। इसी प्रकार से उड़ीसा में 7 स्थानों पर भारत सरकार द्वारा निर्मित म्यूजियमों का जीर्णोद्धार कार्य किया गया।

लखनऊ जैन कला वीथिका का उद्घाटन करती हुयी मुख्यमंत्री महोदया, सुश्री बहन मायावती जी साथ में श्री निर्मल कुमार जी सेठी

झांसी जैन कला वीथिका का उद्घाटन करते हुये संस्कृत मंत्री श्री सुभाष पांडे जी साथ में श्री निर्मल कुमार जी सेठी एवं पदाधिकारीगण

मथुरा जैन संग्रहालय के उद्घाटन समारोह के अवसर पर सुश्री मायावतीजी मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश के सम्मान समारोह की झाँकी

सभा को संबोधित करते महासभाध्यक्ष श्री निर्मल कुमार जी सेठी

मुख्यमंत्री को स्वर्ण मुकुट पहनाते हुये श्रीमती सुशील जैन, श्री निर्मल जी सेठी, श्री मदनलाल बैनाड़ा, श्री विजय लुहाड़िया एवं श्री बाबूलाल छाबड़ा

१४ मई २००३ को जैन समाज की अभिनन्दन सभा को संबोधित करती हुई मुख्यमंत्री सुश्री मायावती जी

मथुरा अभिनन्दन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को सम्मान पत्र भेंट करते हुए साहू रमेशचन्द जी, निर्मल कुमार जी सेठी व अवनीश कुमार जैन

१४ मई २००३ को मुख्यमंत्री अभिनन्दन कार्यक्रम में मथुरा जैन धर्म संस्थाओं का परिचय देते हुये श्री मुनीश कुमार जैन

कार्यक्रम में जैन समाज की महिलायें

मथुरा जैन कला वीथिका का उद्घाटन करती हुयी मुख्यमंत्री महोदया, साथ में श्री निर्मल कुमार जी सेठी एवं पदाधिकारीगण

मोहन्द्रा (पन्ना) मध्यप्रदेश म्यूजियम

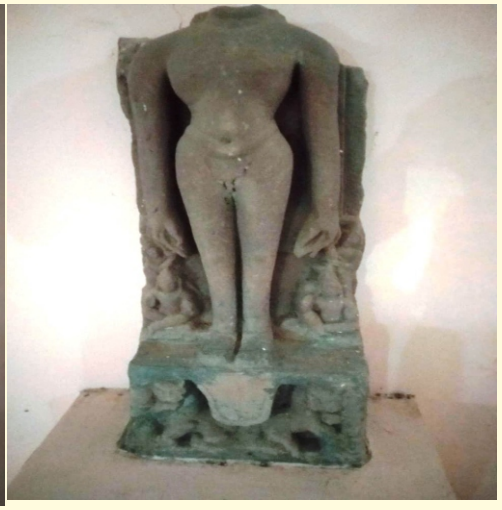

उड़ीसा के प्राचीन संग्रहालयों का जीर्णोद्धार कार्य प्रगति पर

घासीपुरा संग्रहालय

बाउदेई संग्रहालय

पांचगाँव संग्रहालय

हाटाडिहा संग्रहालय

प्रतापनगरी संग्रहालय

ऋषभदेव पोदासिंगरी

अनंदापुर संग्रहालय

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा द्वारा

मध्य प्रदेश के पानीगांव संग्रहालय का जीर्णोद्धार कार्य प्रगति की ओर

पानीगांव जिला देवास म.प्र. में प्राचीन प्रतिमायें यत्र–तत्र विराजमान हैं जिसके संरक्षण एवं उचित स्थान हेतु पहाड़ी पर श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा द्वारा संग्रहालय का निर्माण हो चुका है। शीघ्र ही राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल के कर कमलो से संग्रहालय का शिलान्यास करवाकर मूर्तिया कों विनयपूर्वक विराजमान किया जायेगा।

तीर्थ संरक्षिणी महासभा की गतिविधियां

कोरोना वायरस के चलते पूरे विश्व की स्थिति बहुत ही बिगड़ी हुई थी। इस विषम परिस्थिति में भी तीर्थ संरक्षिणी महासभा ने प्राचीन मंदिरों एवं मूर्तियों की सुरक्षा के कार्य में अहम भूमिका निभायी। इस करोना काल में तंजावर (तमिलनाडु), ऊन खनगौन (म.प्र.) करीमनगर (तेलंगाना), भोजपुर (राजस्थान), विष्णुपुर जिला बांकुड़ा (पं बंगाल), बडग्राम नवापाड़ा (पं बंगाल), ग्राम दावदा जिला–ईडर (गुजरात), बुला (पं बंगाल), में प्राचीन मूर्तियां प्राप्त हुई जिनकी सुरक्षा का कार्य किया जा रहा है।

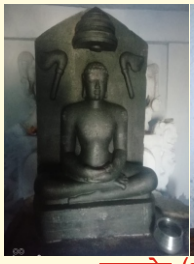

कम्मारचेडु (आन्ध्र प्रदेश)

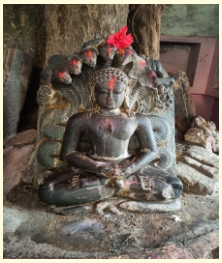
दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दावदा (गुजरात)

तमिलनाडु

कालसपुर (कर्नाटक)

ऊन, खरगौन (म.प्र.)

गुलबर्गा (कर्नाटक) में ग्राम मंगलगी की पुण्य धरा पर 1000 वर्ष पुरानी पार्श्वनाथ स्वामी की लगभग सवा आठ फिट ऊंची एक प्रतिमा घुटनों तक जमीन में दबी थी एवं तिरछी टिकी हुयी थी। जानकारी प्राप्त होने पर ग्राम वालों से बातचीत करके इस मंदिर की कई बीघे की जमीन प्राप्त की तथा पूजन करके मूर्ति को स्थापित किया गया।

तीर्थ संरक्षिणी महासभा की गतिविधियां

कर्नाटक राज्य में करीब 55 स्थानों पर प्राचीन जीर्णशीर्ण मंदिर मूर्तियों सहित प्राप्त हुये हैं कार्याध्यक्ष श्री अशोक कुमार जैन सेठी, बंगलौर ने श्री अमित जैन एवं राहुल जैन के साथ गुलबर्गा से 50 से 100 किमी. की दूरी पर जो भी प्राचीन मंदिर जीर्णशीर्ण प्राप्त हुये उनका पता लगाकर उनके जीर्णोद्धार कार्य का बीड़ा उठाया। जिसके अंतर्गत तीर्थ संरक्षिणी महासभा के सहयोग से करीब 10 मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य हम लोगों ने करा दिया है अन्य मंदिरों का कार्य हो रहा है। इसी प्रकार से महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में ग्राम इब्राहिमपुर, कोलगे, कानडी, ऐनापुर के प्राचीन मंदिरों का भी जीर्णोद्धार कार्य हो रहा है।

भारतवर्ष के सभी प्रान्तों में मुख्यतः बंगाल, उड़ीसा, कर्नाटक, महाराष्ट्र में प्राचीन मूर्तियां/मंदिर प्राप्त हो रहे हैं तीर्थ संरक्षिणी महासभा द्वारा जहाँ–जहाँ प्राचीन मूर्तियाँ एवं मंदिर प्राप्त होते हैं गांव वालों से बातचीत करके उसी स्थान पर मंदिर बनाकर या प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य कर उसमें मूर्तियों को स्थापित कराने का कार्य निरन्तर किया जा रहा है।

गढीकेश्वर गुलबर्गा (कर्नाटक) जीर्णोद्धार के पूर्व एवं पश्चात

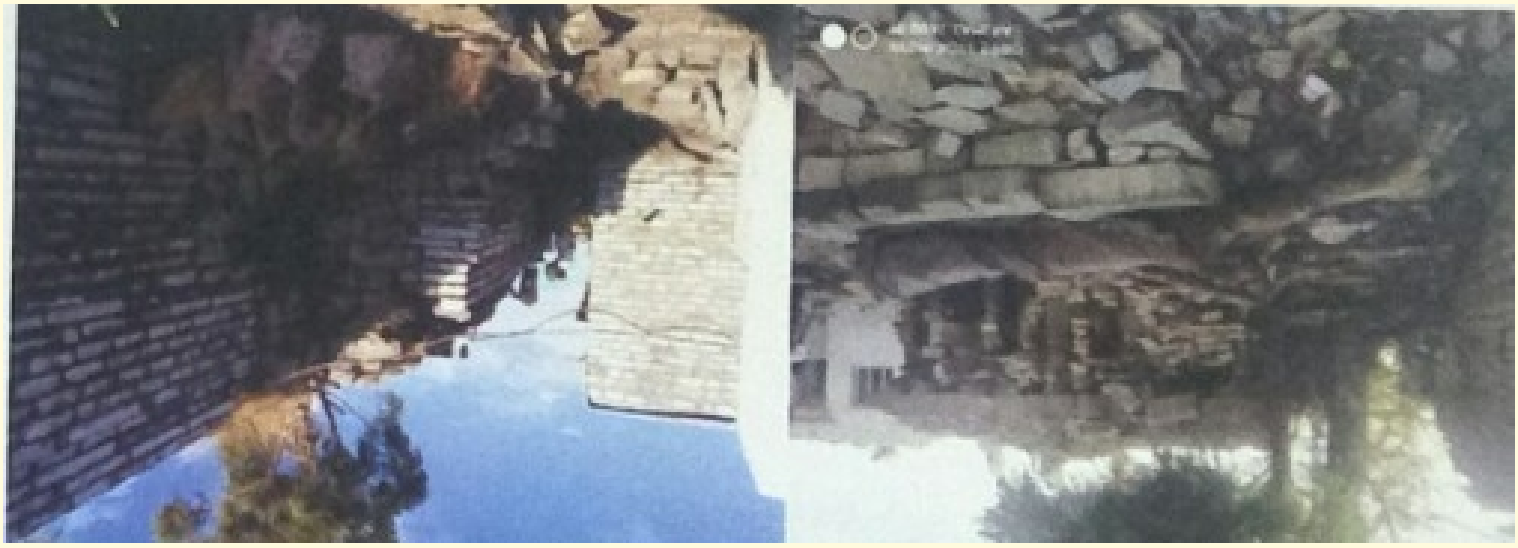

तीर्थ संरक्षिणी महासभा की गतिविधियां

पेटसिरूर, गुलबर्गा (कर्नाटक) जीर्णोद्धार के पूर्व एवं पश्चात

अतनूर, गुलबर्गा (कर्नाटक) जीर्णोद्धार के पूर्व एवं पश्चात

भोगोली, कोल्हापुर (महाराष्ट्र) जीर्णोद्धार कार्य प्रगति पर

तीर्थ संरक्षिणी महासभा की गतिविधियां

राजस्थान के मंदिरो का जीर्णोद्धार कार्य प्रगति पर

श्री धर्मनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, ग्राम-सावरदा, जिला-जयपुर (राजस्थान)

श्री १००८ आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, ग्राम-बोराज, जिला-जयपुर (राजस्थान)

जीर्णोद्धार वर्ष-२०२१

आदरणीय स्व. श्री निर्मल कुमार जैन सेठी जी ने महासभा के 125वें स्थापना दिवस एवं प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती 108 आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के मुनिदीक्षा शताब्दी महोत्सव पर 125 मंदिरों के जीर्णोद्धार का लक्ष्य निर्धारित किया था तथा वर्ष 2021 जीर्णोद्धार वर्ष के रूप मनाने का संकल्प लिया था। अभी तक करीब 30 मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य हो चुका है। कर्नाटक में 50 मंदिरं का जीर्णोद्धार कार्य की प्रतीक्षा में हैं। महाराष्ट्र में 4 स्थानों पर प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य किया जा रहा है। हम चाहते हैं कि शेष मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य हम शीघ्रातिशीघ्र शुरू करें यह आप सभी के सहयोग से संभव है।

इस कार्य में हमें आपके सहयोग की आवश्यकता है हमारा आपसे निवेदन है कि आपके प्रान्त में जहाँ–जहाँ पर 100 वर्ष से प्राचीन मंदिर हैं उन सभी मंदिरों का **प्रपोजल जिसमें मंदिर का सम्पूर्ण इतिहास, मंदिर एवं मूर्तियों के फोटोग्राफ, मंदिर जीर्णोद्धार कार्य का स्टीमेट** आदि पूरा विवरण हो हमें शीघ्र से शीघ्र भिजवाने की कृपा करें जिससे कि जीर्णोद्धार कार्य हम पूरा कर सकें और आदरणीय श्री सेठी जी के सपनों को साकार कर सकें।

निर्ग्रन्थ सेंटर ऑफ आर्कियोलॉजी

पुरातत्व के प्रति रुचि बढ़े इसके संरक्षण एवं संवर्धन को लोग समझें इसी बात को ध्यान में रखते हुये भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा के 40 वर्षों से अध्यक्ष रहे आदरणीय स्वर्गीय निर्मल कुमार जैन सेठी द्वारा उनकी अध्यक्षता में 1 जनवरी 2021 को निर्ग्रंथ सेंटर ऑफ आर्कियोलॉजी का गठन किया गया। जिसके उपाध्यक्ष पद पर डॉ यतीश जैन, जबलपुर को मनोनीत कर कार्यभार सौंपा । जिस तरह से आर्कियोलॉजीकल सर्वे ऑफ इंडिया देशभर में कार्य कर रहा है उसका ही लघु रूप में यह संस्था भी कार्य करे ऐसा उनका सपना था। इसमें मुख्य रूप से पुरातत्व के प्रति जन जागरण के संबंध में कार्य करता है। आपकी बड़ी इच्छा थी कि हम पुरातत्व विभाग से भी मधुर संबंध बनाए एवं उनके सहयोग से तीर्थों का जीर्णोद्धार, संरक्षण एवं शोध कार्य को बढ़ावा देना चाहिये।

वास्तव में पुरातत्व के माध्यम से हम अपने अस्तित्व की रक्षा करते हैं। इसी श्रृंखला में तीर्थ संरक्षिणी महासभा के सहयोग से निर्ग्रंथ सेंटर ऑफ आर्कियोलॉजी द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम देशभर में फैले 36 आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस में संपर्क का कार्य करना एवं महासभा द्वारा 23 वर्षों से प्रकाशित प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार पत्रिका एवं अन्य सामग्री का प्रदान करना। उनके द्वारा चल रहे देश भर में विभिन्न उत्खनन कार्य एवं उनके कार्यक्रमों में सहभागिता करना। सेंटर द्वारा 36 में से 17 स्थानों में अपने संयोजक नियुक्त किए गए हैं एवं 5 लोगों की परामर्श दात्री समिति भी बनाई गयी है। तत्पश्चात् 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस का आयोजन स्वर्गीय निर्मल कुमार जैन सेठी की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें हमें इस दिशा में क्या करना है मार्गदर्शन दिया गया। इसके पश्चात 18 मई को विश्व संग्रहालय दिवस एवं 16 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय पुरातत्व दिवस का आयोजन किया गया एवं आगामी माह नवम्बर में 19 से 25 तारीख तक विश्व धरोहर सप्ताह का आयोजन देशभर में आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के सहयोग से किया जा रहा है।

संस्था द्वारा लगातार कार्यक्रम के पीछे एकमात्र सर्वविदित उद्देश्य है कि हमें अपनी धरोहर और पुरातत्व के प्रति अपनी सोच को सकारात्मकता की ओर करने का विचार है। हमें हमारे पूर्वजों के द्वारा स्थापित मंदिर, स्थल, वास्तु शिल्प, शिलालेख, भवन के प्रति स्वयं का एवं परिवार के सदस्यों का जुड़ाव बने।

ऐतिहासिक पुस्तकों का प्रकाशन

आदरणीय स्व. श्री निर्मल कुमार जैन सेठी जी ने 8 देशों में भ्रमण कर महासभा के सौजन्य से स्वयं राशि प्रदान कर श्री गोकुल प्रसाद जैन द्वारा लिखित विदेशों में जैन धर्म तीर्थ संरक्षिणी महासभा के सौजन्य से जैना इकोनोग्राफी इन तमिलनाडु, ऋषभदेव–केसरिया जी मंदिर एवं इसकी परंपरा, लखनऊ संग्रहालय की जैन प्रतिमायें, जिला पुरातत्व संग्रहालय हिन्दूपत महल पन्ना की जैन प्रतिमायें, श्रवणबेलगोल–चन्द्रगिरि अभिलेख, गिरिनार एवीडेन्स सहित 20 से ज्यादा पुस्तकों का प्रकाशन करवाया।

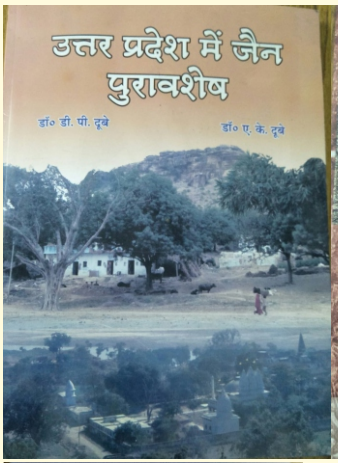

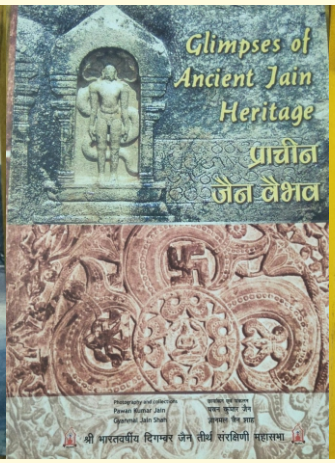

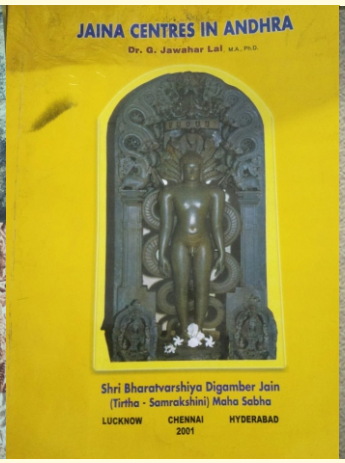

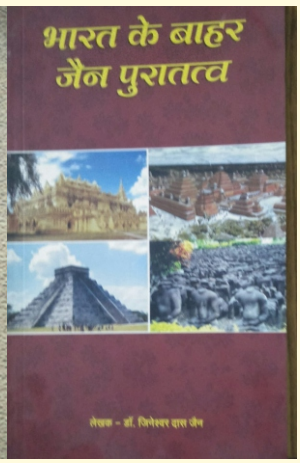

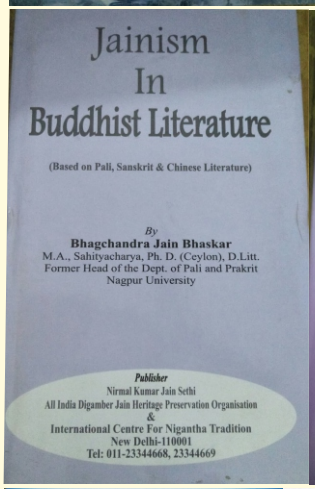

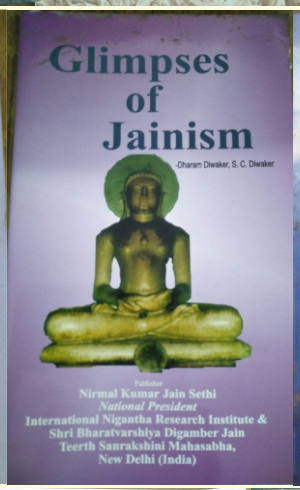

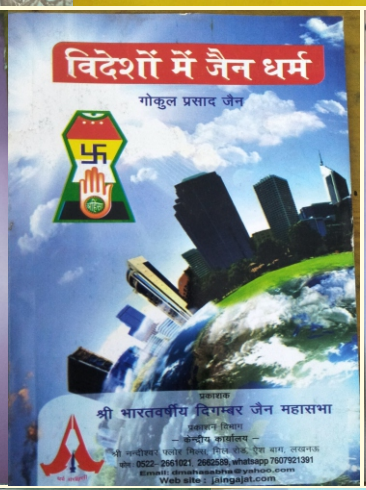

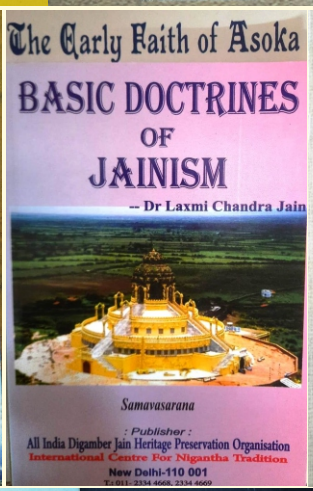

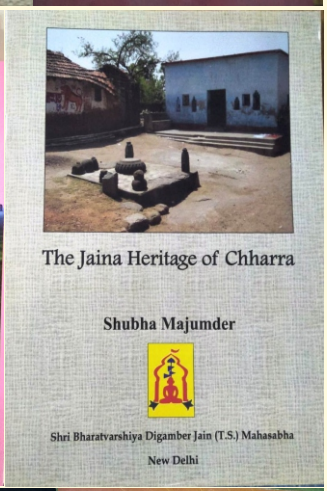

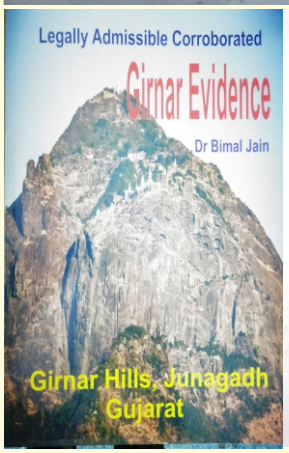

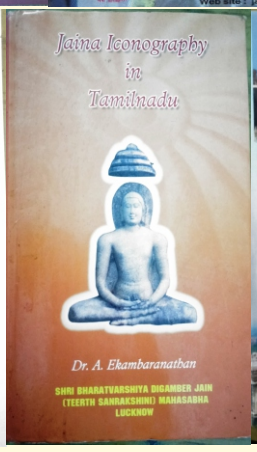

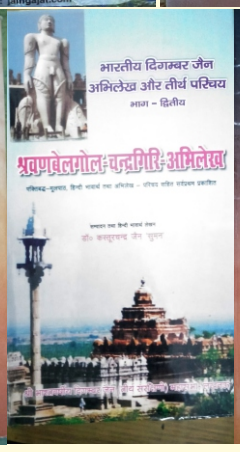

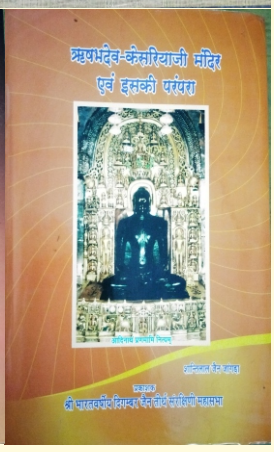

जूम मींटिग का आयोजन

समय–समय पर नियमिति रूप से जूम मींटिग का आयोजन हो रहा है 20 जून 2020 को सूर्य पहाड़ के विकास के संदर्भ में, 2 अक्टूबर 2020 को वेबिनार तमिलनाडु, 3 अक्टूबर 2020 को वेबिनार उड़ीसा, 4 अक्टूबर 2020 को वेबिनार बंगाल, 31 अक्टूबर 2020 को गुजरात प्रान्त के पदाधिकारियों की मींटिग, 5 दिसम्बर 2020 को वेबिनार ईस्टर्न इण्डिया, 27 फरवरी 2021 को वेबिनार ईस्टर्न इण्डिया, श्रुत पंचमी के अवसर पर मींटिग, वेबिनार वर्ड हेरिटेज डे, विश्व धरोहर दिवस पर मींटिग, दिनांक 24 सितम्बर 2021 को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल की अध्यक्षता में नव निर्वाचित पदाधिकारियों की मींटिग, 16 अक्टूबर 2021 को अंतर्राष्ट्रीय पुरातत्व दिवस पर मींटिग, 19 से 25 नवम्बर 2021 तक विश्व धरोहर सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।

Bagbahar, Distt. Jashpur

Shri Bharatvarshiya Digamber Jain
T.S. Mahasabha Lucknow
& JAIN CHAIR
Utkal University of Culture, Bhubaneswar

National Webinar

On

Recent Perspectives on JAIN ART & Architecture of Eastern India

2nd Part : Jaina Art in Chhatishgarh

DATES : 9th JANUARY, 2021
TIME : 11:30 am to 1:30 p.m.

PROGRAMME

Welcome Address by Shri Nirmal Kumar Jain Sethi
National President SBDJTS Mahasabha

Special lecture

Address by Prof. (Dr.) L.S. Nigam,
Vice-Chancellor, Shri Shankaracharya
Professional University (SSPU),
Chhatishgarh on 'Jain Art In Chhatishgarh'

Address by Prof. (Dr.) Byomkesh Tripathy,
Vice-Chancellor, Utkal University of Culture
Bhubaneswar on 'Jainism in Dakshin Kosala'

Vote of Thanks

Shri Rajkumar Jain Sethi
General Secretary, S.B.D.J. (T.S.) Mahasabha

Dr. Suchitra Das, Co-ordinator,
JAIN CHAIR Utkal University of Culture

PASSCODE : 1008 Zoom ID : 5113284741

Bastar, Chhatishgarh

Nagpura, Chhatishgarh

Malhar, Chhatishgarh

Nirmal Kumar Jain Sethi	Rajkumar Jain Sethi	Kamal Kumar Jain Rawka	Pradip Kumar Jain	Sanjay Gangwal	Arvind Jain	Anoop Jain
National President	Gen. Secretary	Joint Secretary	President-Chg.	W.Presi.-Chg.	G.Sec.-Chg.	Sec.-Chg.
09891029717	09339826125	09335920972	09981924252	09425208709	09335920972	09826165680

जीर्णोद्धार कार्य में आप निम्न प्रकार से भी सहयोग कर सकते हैं

1. पंचकल्याणक महोत्सव, पर्यूषण पर्व तथा अन्य किसी विशेष शुभ अवसरों पर आयोजित बोलियों का कुछ अंश प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिये।
2. आप गुल्लक अपने क्षेत्र के धर्मप्रेमी श्रृद्धालु बंधुओं के परिवारों में घर–घर रखवाकर जीर्णोद्धार कार्य में सहयोग करें।
3. गुल्लकें निःशुल्क लखनऊ कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।
4. आप अपने घर में बच्चों को अपने खर्चों में से बचाकर रुपये गुल्लक में एकत्रित करने के संस्कार देकर इस पुनीत कार्य में
   स्वयं सहभागी बन सकते हैं तथा बच्चों को पुण्य कार्य में सहभागी बना सकते हैं।
5. आप जीर्णोद्धार कार्य हेतु राशि मंगल गृह प्रवेश, नूतन प्रतिष्ठान के उद्घाटन के अवसर पर धार्मिक आयोजन जैसे जन्मदिन, शादी विवाह, 25वीं – 50वीं साल गिरह पर, बच्चों के जन्मदिन पर, यां चिरस्थायी रूप में किसी भी व्यक्ति या परिवार की यादगार में दान देकर सहयोगी बन सकते हैं।
6. प्राचीन जैन जीर्णशीर्ण मंदिरों, प्रतिमाओं एवं पुरावशेषों के संरक्षण एवं सवर्धन में।
7. जैन पुरातन स्थल संग्रहालयों की स्थापना एवं संग्रहालयों में जैन गैलरियों के निर्माण हेतु।
8. प्राचीन जैन तीर्थों के जीर्णोद्धार के लिये गुल्लक एवं कलश बनवाने में।
9. प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार पत्रिका में अपने प्रतिष्ठान/फर्म का विज्ञापन प्रकाशनार्थ देकर सहयोगी बन सकते हैं।

तीर्थ संरक्षिणी महासभा की सदस्यता देय राशि

परम संरक्षक–	25 लाख	परम सम्मानित–	51 हजार
वरिष्ठ संरक्षक–	11 लाख	सम्मानित–	25 हजार
विशिष्ट संरक्षक–	05 लाख	विशिष्ट सदस्य–	11 हजार
संरक्षक–	01 लाख	आजीवन सदस्य–	05 हजार

उपरोक्त सभी श्रेणियों के सदस्य तीर्थ संरक्षिणी महासभा द्वारा प्रकाशित प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार पत्रिका के आजीवन सदस्य होंगे। आपके द्वारा दी जाने वाली राशि प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य में ही खर्च की जायेगी तथा 5,000/- —रूपये की सदस्यता ग्रहण करने वाले दातार को पत्रिका 10 वर्ष, 11,000/- वाले दातार को 15 वर्ष, इससे अधिक की राशि प्रदान करने वाले दातार को पत्रिका हमेशा निःशुल्क भेजी जायेगी देय राशि प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य में खर्च की जायेगी।

दानराशि भेजें ड्राफ्ट/चेक/ऑनलाइन –

"BDJ (Tirth Sanr) Mahasabha" SBI Aishbagh Branch
Branch Code - 2504 A/c No.- 10130995311
IFS Code - SBIN0002504

–: निवेदक :–

गजराज जैन गंगवाल
अध्यक्ष
मो. 9810900009

राजकुमार जैन सेठी
महामंत्री
मो. 9339826125

कमल कुमार जैन रांवका
संयुक्त महामंत्री
मो. 9335920972, 7985065317

–: दिल्ली कार्यालय :–

5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर काम्पलेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001
फोन : 011-23344668, 23344669 **Email :** digjainmahasabha@gmail.com

Head Office : Shri Bharatvarshiya Digamber Jain (T.S.) Mahasabha
Shri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aishbagh Lko. 226004
Phone: 0522-2662581 9129065900 Email: tsmahasabha@gmail.com, 9335920972

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा

प्राचीन जैन वैभव प्रदर्शिनी की चित्रमय झलकियाँ

कलुगुमलै में चट्टान पर शैलोत्कीर्ण तीर्थंकरों प्रतिमायें–पाण्डया कालीन, आठवीं–नौवीं सदी

एलोरा की गुफा संख्या 32 के अन्दर का दृश्य, नौवी सदी, राष्ट्रकूट शैली

समनरामलै (मदुरै) में चट्टान पर उत्कीर्ण प्रतिमायें

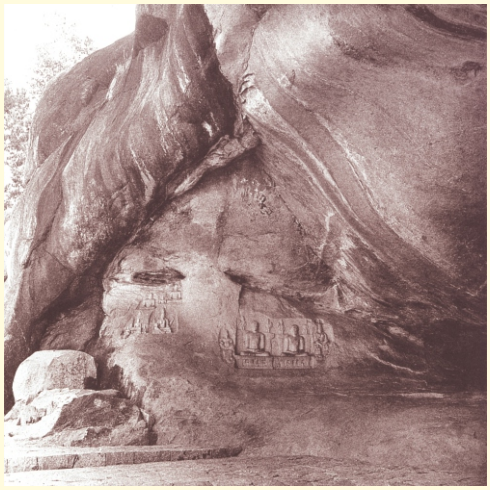

बल्लीमलै (नार्थ आर्कट जिला) की बड़ी चट्टान पर प्राकृतिक गुफा एवं उत्कीर्ण जैन मूर्तियों का एक दृश्य

श्रवणबेलगोला के बारहवीं सदी का अलंकृत मन्दिर

अलंकृत भित्तिचित्र - श्रवणबेलगोला, अट्ठारहवीं सदी

कम्बादहल्ली स्थित दसवीं सदी के मन्दिर की छत पर अलंकृत मनोरम दृश्य

समनरामलै (मदुरै) में चट्टान पर उत्कीर्ण प्रतिमायें

बेलगाम के किले में स्थित कमल बसदि के मण्डप की मंजरी शैली का कलात्मक छत का दृश्य : बारहवीं सदी

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा

प्राचीन जैन वैभव प्रदर्शिनी की चित्रमय झलकियाँ

SERIES OF 24 TIRTHANKARS ON LARGE BOULDER SIRUKKADAMBUR (T.N.)
चट्टान पर 24 तीर्थंकरों की उत्कीर्ण प्रतिमायें - सिरुक्कडम्बूर (तमिलनाडु)

चट्टान पर चौबीस तीर्थंकरों की उत्कीर्ण प्रतिमाएँ : सिरुक्कडम्बूर (तमिलनाडु)

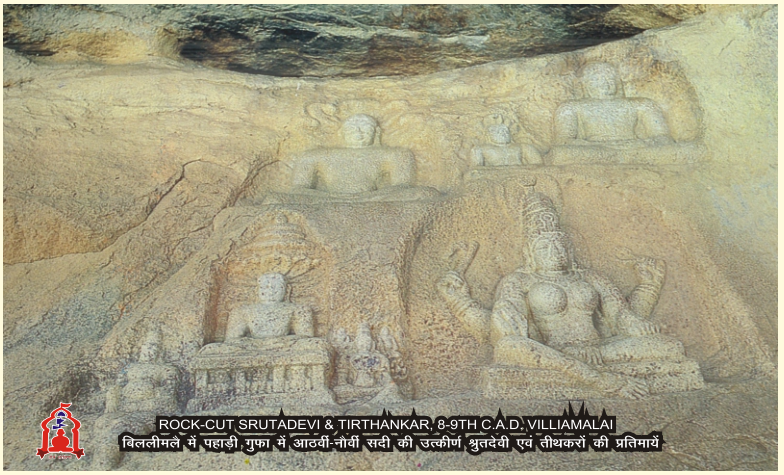

ROCK-CUT SRUTADEVI & TIRTHANKAR, 8-9TH C.A.D. VILLIAMALAI
बिललीमलै में पहाड़ी गुफा में आठवीं-नौवीं सदी की उत्कीर्ण श्रुतदेवी एवं तीथंकरों की प्रतिमायें

बिललीमलै में पहाड़ी गुफा में आठवीं-नौवीं सदी की उत्कीर्ण श्रुतदेवी एवं तीर्थंकरों की प्रतिमायें

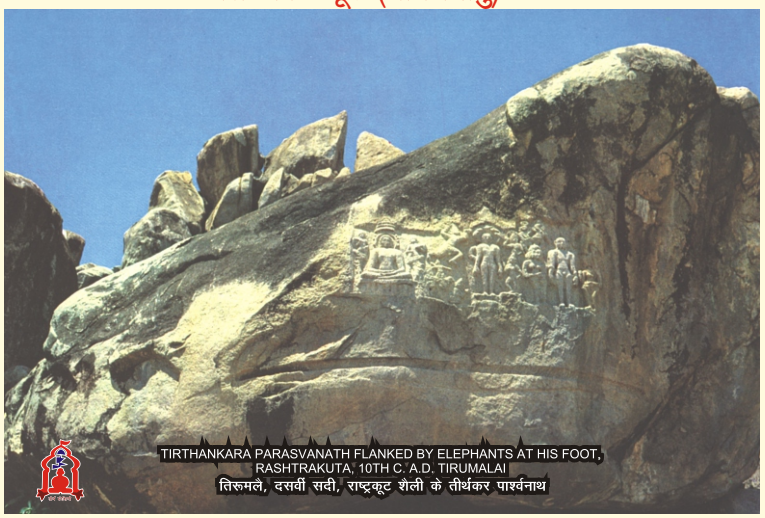

TIRTHANKARA PARASVANATH FLANKED BY ELEPHANTS AT HIS FOOT, RASHTRAKUTA, 10TH C. A.D. TIRUMALAI
तिरुमलै, दसवीं सदी, राष्ट्रकूट शैली के तीर्थंकर पार्श्वनाथ

तिरुमलै, दसवीं सदी, राष्ट्रकूट शैली के तीर्थंकर पार्श्वनाथ

A SERIES OF ROCK-CUT IMAGES SEATED AND STANDING, YAKSHAS, 9TH C.A.D. - UTTAMAPALAYAM (MADURAI)
उत्तमपल्यम (मदुरै) में नौवीं सदी में निर्मित चट्टान पर उत्कीर्ण पदमासन और कायोत्सर्ग में प्रतिमायें

उत्तमपल्यम (मदुरै) में नौवीं सदी में निर्मित, चट्टान पर उत्कीर्ण पद्मासन और कार्योत्सर्ग प्रतिमायें

THOUSAND - POLLAR BASADI, A LATERAL VIEW, KAKATIYA 12- 13TH A.D. HANAMKONDA (WARANGAL)
हनमकोन्डा (वारंगल जिला) के ककातिया में 12-13वीं सदी का हजार खम्भे वाला बसादि

हनमकोन्डा (वारंगल जिला) के कंकालिया में १२-१३वीं सदी का हजार खम्भे वाला बसदि

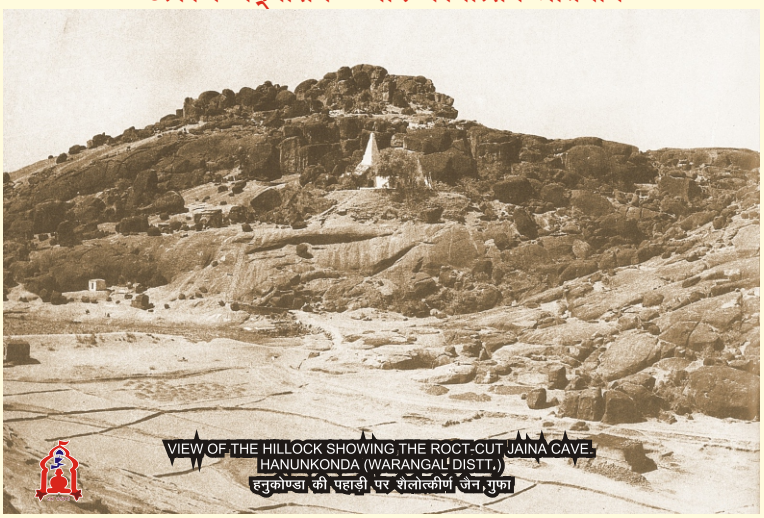

VIEW OF THE HILLOCK SHOWING THE ROCT-CUT JAINA CAVE, HANUNKONDA (WARANGAL DISTT.)
हनुकोण्डा की पहाड़ी पर शैलोत्कीर्ण जैन गुफा

हनुकोण्डा की पहाड़ी पर शैलोत्कीर्ण जैन गुफा

जीर्णोद्धार कार्य हेतु प्रतीक्षारत मंदिरों की सूची

KARNATAKA

1.	Bhagwan Shree 1008 Bahubali Swami Kshetra Padmapur (Sankeshwar) Tq.Chittapur, Dist. Gulbarga (Karnataka)	3 Lac.
2.	Chittapur,Tq.Chittapur, Dist. Gulbarga (Karnataka)	2 Lac.
3.	Malgatti,Tq.Chittapur, Dist. Gulbarga (Karnataka)	2 Lac.
4.	Hagarhumdgi, Dist. Gulbarga (Karnataka)	4 Lac.
5.	Gogi,Tq.Yadgir, Dist. Gulbarga (Karnataka)	2 Lac.
6.	Bhankur, Dist. Gulbarga (Karnataka)	3 Lac.
7.	Dandoti, Dist. Gulbarga (Karnataka)	3 Lac.
8.	Koppalla, Dist. Gulbarga (Karnataka)	4.25 Lac.
9.	Bastimakki, Dist. Gulbarga (Karnataka)	3.75 Lac.
10.	Peddurkatta, Dist. Gulbarga (Karnataka)	3.50 Lac.
11.	Bhalaki, Dist. Gulbarga (Karnataka)	6.50 Lac.
12.	Humnabad, Dist. Gulbarga (Karnataka)	4.50 Lac.
13.	Miryan,Dist. Gulbarga (Karnataka)	2.50 Lac.
14.	Andola, Dist. Gulbarga (Karnataka)	2.50 Lac.
15.	Adakki, Dist. Gulbarga (Karnataka)	2.50 Lac.
16.	Mirakal, Dist. Gulbarga (Karnataka)	2.50 Lac.
17.	Gola, Dist. Gulbarga (Karnataka)	2.50 Lac.
18.	Jewalga, Dist. Gulbarga (Karnataka)	2.50 Lac.
19.	Hagarga, Dist. Gulbarga (Karnataka)	2.50 Lac.
20.	Mugota, Dist. Gulbarga (Karnataka)	2.50 Lac.
21.	Nidagnanda, Dist. Gulbarga (Karnataka)	2.50 Lac.
22.	Sharvanasirasagi, Dist. Gulbarga (Karnataka)	2.50 Lac.

MAHARASTRA

1.	Chandraprabh Tirthankar Mandir, Iddarguchhi, Dist. Kolhapur (Mah.)	6.5 Lac.
2.	Bhogoli, Tq.Gadhinglaj, Dist. Kolhapur (Mah.)	5 Lac.
3.	Kannadi, Tq.Gadhinglaj, Dist. Kolhapur (Mah.)	7 Lac.
4.	Hattiwade, Dist. Kolhapur (Mah.)	3.75 Lac.
5.	Nerari, Dist. Kolhapur (Mah.)	3 Lac.
6.	Kudal, Dist. Kolhapur (Mah.)	4.5 Lac.
7.	Kannade, Dist. Kolhapur (Mah.)	9 Lac.
8.	Datte, Dist. Kolhapur (Mah.)	2.5 Lac.
9.	Leone, Dist. Kolhapur (Mah.)	4 Lac.
10.	Salgara, Dist. Kolhapur (Mah.)	3.5 Lac.
11.	B.K. Lattur, Dist. Kolhapur (Mah.)	3.5 Lac.

ANDHRAPRADESH

1.	Chinnahothur (A.P.)	3 Lac.
2.	Nyakallu Near Kurnool (A.P.)	3 Lac.
3.	Chinnatumbalam (A.P.)	3 Lac.
4.	Kammarachedu (A.P.)	3 Lac.
5.	Adoni Caves Temple (A.P.)	3 Lac.
6.	Chippagiri (A.P.)	3 Lac.

WEST BENGAL

1.	Saroliya, Dist. Purulia (West Bengal)	3 Lac.
2.	Bada Bazar, Dist. Purulia (West Bengal)	1 Lac.
3.	Pawla Pahari ,Dist. Purulia (West Bengal)	3 Lac.
4.	Panchet Pahar, Dist. Purulia (West Bengal)	10 Lac.
5.	Bulla (West Bengal)	15 Lac.

साभार

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा द्वारा प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार एवं भूगर्भ से प्राप्त प्राचीन मूर्तियों को विनयपूर्वक विराजमान किये जाने के महान कार्य का शुभारम्भ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्व. निर्मल कुमार जी जैन सेठी की अध्यक्षता में 23 वर्ष पूर्व किया गया था उनके मन में सदैव एक ही भावना रहती थी कि जैन धर्म की पुरानी एवं ऐतिहासिक धरोहर प्राचीन मंदिर एवं मूर्तियों को किस प्रकार सुरक्षित किया जाये इस हेतु उन्होंने पूरे भारतवर्ष में भ्रमण कर यह पाया कि करीब–करीब सभी प्रान्तों में बड़ी संख्या में प्राचीन मंदिर तथा मूर्तियां उपेक्षित बिखरी हुयी पड़ी है। उनका जीर्णोद्धार का कार्य तभी संभव हो सकता है जब पूरी समाज एकजुट होकर सहयोग करे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किस तरह से पुरातत्व को सुरक्षित रखना है क्योंकि यह प्राचीन धरोहर हमारे पूर्वजों की विरासत है इसकी रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुये उन्होंने महासभा के 125वें स्थापना दिवस एवं प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती 108 आचार्य श्री शांतिसागर जी 'महाराज' के मुनिदीक्षा शताब्दी महोत्सव पर 125 मंदिरों का जीर्णोद्धार कराने का संकल्प लिया था उन्हीं की भावना के अनुसार 30 मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य हो चुका है 15 मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य प्रगति पर है 80 मंदिरों का जीर्णोद्धार का कार्य आप सभी के सहयोग से ही संभव है। वर्ष 2021 हम सभी लोग जीर्णोद्धार वर्ष के रूप में मना रहे हैं अतः हमारा सभी से अनुरोध है कि प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य में अपनी सुविधानुसार 5,000/–11000/–25,000/– 51,000/– 1,00,000/– अथवा उससे अधिक का दान आप अपनी ओर से परिवार की ओर से अपनी संस्था की ओर से, अपने प्रियजनों की ओर से प्रदान कर धर्म की प्राचीन धरोहर को सुरक्षित करने में सहभागी बनकर पुण्यार्जन करें और सेठी जी के सपनों को साकार करने में सहभागी बनें। आप द्वारा प्रेषित राशि प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य में ही भेजी जायेगी। 3 लाख रुपये की राशि प्रदानकर आप एक मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य में सहयोग प्रदान कर सकते हैं आपके नाम का शिलापट्ट मंदिर में लगाया जायेगा। हम आशा करते हैं कि प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य में आपका तथा आपके सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलेगा जिससे कि प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य सुचारू रूप से चलता रहेगा।

कृपया सहयोग राशि **B.D.J.(TIRTH SANR) Mahasabha** के नाम से **State Bank of India Aishbagh Lucknow** के एकाउन्ट नं–**10130995311** एवं IFS Code. **SBIN0002504** में आनलाइन जमा करवाकर सूचित करने की कृपा करें।

सभी साधर्मी बंधुओं से हमारा यह भी निवेदन है कि आपके क्षेत्र के आस–पास कोई भी प्राचीन जीर्णशीर्ण मंदिर हो जिसका जीर्णोद्धार आवश्यक हो तो कृपया हमें उस मंदिर का इतिहास, मंदिर एवं मूर्तियों के फोटोग्राफ के साथ कार्यालय के **व्हाटसेप नं–09129065900** अथवा ईमेल **tsmahasabha@gmail.com** पर भेजें ताकि उसका जीर्णोद्धार कराया जा सके।

–कमल कुमार जैन रांवका, संयुक्त महामंत्री
मो.09335920972, 7985065317